राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2848

17 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

चीन में इस्पात की मांग में गिरावट का असर

2848. श्री नारायण लाल पंचारियाः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने चीन में इस्पात की मांग में गिरावट का भारतीय इस्पात उद्योग पर हुए असर का आकलन कराया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या हाल ही के महीनों में चीन से इस्पात के आयात में बढ़ोतरी हुई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार ने घरेलू इस्पात कम्पनियों के हितों की रक्षा करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) और (ख): सरकार चीन से इस्पात की माँग में आ रही कमी से अवगत है।

(ग) और (घ): चीन से भारत द्वारा कुल फिनिश्ड इस्पात का आयात अप्रैल-मई 2018 (0.198 मिलियन टन) की तुलना में घटकर अप्रैल-मई 2019 में (0.184 मिलियन टन) हो गया है।

(ङ) और (च): अनुचित बाह्य प्रतिस्पर्धा से घरेलू उद्योग को बचाने के लिए उचित व्यापारिक उपाय जैसे एंटी डंपिंग ड्यूटी, काउंटरवेलिंग ड्यूटी और न्यूनतम आयात शुल्क लगाए गए/लगाए जाते हैं। सरकार ने 53 इस्पात एवं इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेशों को भी अधिसूचित किया है जो घरेलू उत्पादन और आयात, दोनों के लिए लागू होते हैं। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश मानव, पशु और वनस्पति की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, अनुचित व्यापार पद्धतियों की रोकथाम और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जनहित में कार्यान्वित किया गया है।

व्यापार संबंधी मुद्दे किसी भी चलने वाले आर्थिक संबंध का एक हिस्सा हैं और भारत तथा यूएस के बीच नियमित द्विपक्षीय व्यापार अनुबंध के भाग के रूप में इन पर निरंतर चर्चा की जाएगी तथा हल किया जाएगा।

****